1.6.23

प्रेस नोट

सचिव शिक्षा और अध्यक्ष सीबीएसई का सीबीएसई विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से एनईपी 2020 के कार्यान्वयन पर संवाद

नई दिल्ली

श्री संजय कुमार, आईएएस, सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने आज राजधानी में सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों से संवाद किया। उनके साथ श्रीमती निधि छिब्बर, आईएएस, अध्यक्ष सीबीएसई भी शामिल हुई। इस लाइव संवाद कार्यक्रम में भारत और विदेशों के प्रधानाचार्य सीबीएसई यूट्यूब चैनल के माध्यम से जुड़े, और दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के 250 से अधिक प्रधानाचार्य व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए थे।

संवाद का संदर्भ स्थापन करते हुए, श्रीमती निधि छिब्बर, अध्यक्ष सीबीएसई ने कहा, "चूंकि एनईपी 2020 की शुरुआत लगभग तीन वर्ष पहले की गई थी; एक समग्र अधिगम वातावरण के सृजन के प्रयोजन से विद्यालयों के अनुभवों को जानना वांछनीय था।" अध्यक्ष महोदया ने कला एकीकृत गतिविधियों, परियोजना आधारित आकलनों, अनुभवजन्य अधिगम और अधिकांश सीबीएसई स्कूलों में 21वीं सदी के कौशल के विकास के वास्तविक जीवन के उदाहरण देते हुए कहा कि स्कूल परिवर्तन लाकर और परिवर्तन के अनुसार स्वयं को ढालते हुए शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सीबीएसई स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति में रेखांकित उद्देश्यों के प्रति स्वयं को अनुकूलित करके और उन्हें अपनाकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

श्री संजय कुमार, आईएएस, सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने इस विषय पर और विस्तार से बात की और कोहॉर्ट द्वारा प्राप्त की जाने वाली बुनियादी न्यूनतम प्रवीणता की चुनौतियों के साथ-साथ छात्रों को रुचि और अभिक्षमता के आधार पर जानकारीपूर्ण विकल्प चुनने में सक्षम बनाने पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों को दीर्घकालिक लाभ देने वाले शैक्षणिक और कौशल विषयों के एकीकरण और उन्हें कार्य/व्यवसाय के वातावरण के लिए और भविष्य के लिए तैयार करने पर बल दिया।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का संवाद निम्न पर केंद्रित रहा:

- एनसीएफ-एफएस का परिचय, (मूलभूत कौशल),
- व्यक्तिगत और संस्थागत उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता मानकों के पालन हेतु स्कूल गुणवत्ता आकलन और आश्वासन रूपरेखा (एसक्यूएएएफ) के कार्यान्वयन पर प्रगति
- अधिगम के विश्लेषण के लिए संरचित आकलन (सफल: मुख्य अवधारणाओं और ज्ञान, उच्च स्तर कौशल और वास्तविक जीवन स्थितियों में इसके अनुप्रयोग में उपलब्धि को ट्रैक करने के लिए कक्षा 3,5 और 8 में मुख्य चरण आकलनों का संचालन)
- समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी: (360 डिग्री बहुआयामी रिपोर्ट के साथ प्रत्येक बच्चे के समग्र विकास का आकलन करने के लिए रिपोर्ट कार्ड को नया स्वरूप देना जो प्रत्येक शिक्षार्थी की विशिष्टता के साथ-साथ विभिन्न डोमेन में प्रगति को दर्शाता है)।
- आरटीई अधिनियम यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले चाहे उनकी कोई भी पृष्ठभूमि हो। इसके प्रावधान स्कूलों में सामाजिक समावेश और विविधता को बढ़ावा देने के अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमियों के बच्चों के लिए उपलब्ध शैक्षिक अवसरों के बीच के अंतर को कम करने में मदद करते हैं। स्कूलों द्वारा अपनी ओर से आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन की अभिपुष्टि की गई।
- सक्षमता केंद्रित शिक्षण, अधिगम और आकलन को पुनर्परिभाषित करना
- अधिगम लक्ष्य और शिक्षणशास्त्र
- एनईपी 2020 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए शिक्षकों की क्षमता निर्माण की आवश्यकता।

चतुर्थ जी20 एजुकेशन वर्किंग ग्रुप ((EdWG) 1 से 15 जून, 2023 तक जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिसका विषय होगा: विशेष रूप से मिश्रित अधिगम के संदर्भ में मूलभूत साक्षरता और अंक ज्ञान सुनिश्चित करना। जिला स्तर की गतिविधियों का नेतृत्व केवी और जेएनवी द्वारा किया जाएगा, जबकि सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में एफएलएन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन सीबीएसई के नेतृत्व में 1 से 15 जून, 2023 के बीच आयोजित किया जाएगा।

रमा शर्मा
निदेशक (मीडिया एवं जन-संपर्क)
सीबीएसई